

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

96644 - क्या हाजी के लिए कुर्बानी धर्मसंगत है ?

प्रश्न

क्या मैं और मेरी पत्नी हज्ज में एक मेढे की कुर्बानी करें या दो की ? और क्या हमें अपने देश में कुर्बानी करनी चाहिए या नहीं ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

यदि आप दोनों हज्ज तमत्तुअ या हज्ज किरान करने वाले थे, तो आप दोनों में से हर एक पर एक-एक हदी (कुर्बानी) अनिवार्य है, और आप दोनों की ओर से एक मेढा काफी नहीं होगा ; क्योंकि हज्ज तमत्तुअ और किरान का दम (कुर्बानी) अनिवार्य है, और जो व्यक्ति कुर्बानी न पाए तो वह दस दिन रोज़ा रखे, तीन रोज़े हज्ज में और सात रोज़े जब अपने देश लौट आए, जैसाकि अल्लाह तआला का फरमान है :

فَمَنْ تَمَتَّعَ بِالْعُمْرَةِ إِلَى الْحَجِّ فَمَا اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ فَمَنْ لَمْ يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَاثَةِ أَيَّامٍ فِي الْحَجِّ وَسَبْعَةٍ إِذَا رَجَعْتُمْ تِلْكَ عَشْرَةٌ كَامِلَةٌ
[البقرة : 196]

“जो उम्रे से लेकर हज्ज तक तमत्तुअ करे, बस उसे जो भी कुर्बानी उपलब्ध हो उसे कर डाले। जिसमें ताकत न हो वह तीन रोज़े हज्ज के दिनों में रख ले और सात वापसी में, यह पूरे दस हो गए।” (सूरतुल बकरा : 196)

परंतु यदि आप दोनों हज्ज इफ़्राद करने वाले थे, तो आप दोनों पर हदी (हज्ज की कुर्बानी) अनिवार्य नहीं है, और आप दोनों के लिए जितना भी चाहें, एक या उससे अधिक हदी (कुर्बानी) दे सकते हैं, नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपने हज्ज में सौ ऊँट हदी (कुर्बानी) दिए।

दूसरा :

जहाँ तक कुर्बानी का संबंध है तो वह हाजी के लिए धर्मसंगत नहीं है, बल्कि उसके लिए हदी धर्मसंगत है।

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

शैख इब्ने उसैमीन रहिमहुल्लाह से प्रश्न किया गया : इन्सान कुर्बानी और हज्ज को एक साथ कैसे एकत्र करें, और क्या यह धर्मसंगत है ?

तो उन्हो ने उत्तर दिया : “हज्ज करने वाला कुर्बानी नहीं करेगा, बल्कि वह हदी देगा, इसीलिए नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने हज्जतुल वदाअ में कुबानी नहीं की बल्कि हदी दिया था। लेकिन यदि मान लिया जाए कि हज्ज करने वाला अकेले हज्ज कर रहा है, और उसके परिवार वाले उसके देश में हैं, तो ऐसी स्थिति में वह अपने परिवार वालो के लिए पैसा छोड़ देगा जिससे वे कुर्बानी का जानवर खरीदकर उसकी कुर्बानी करेंगे। वह स्वयं हदी देगा, और वे लोग कुर्बानी करेंगे, क्योंकि कुर्बानी शहरों में धर्मसंगत है, रही बात मक्का की तो वहाँ हदी है।

“अल्लिक्रा अश्शहरी” से समाप्त हुआ।

तथा अधिक लाभ के लिए प्रश्न संख्या (82027) का उत्तर देखें।